हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 01 देहरादून, शनिवार, 15 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8

प्रदेश में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, 3 दिनों के लिए लू का ऑरेंज अलर्ट जारी 5

न्यूज़ वायरस प्रकाशन की 12वीं वर्षगांठ

भगतदा से प्रेरणा और आशीर्वाद मिला तो युवा नायक पुष्कर से सकारात्मक पत्रकारिता को समर्थन

दैनिक न्यूज़ वायरस का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री जी

शादान सलीम
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल आदरणीय भगत सिंह कोश्यारी जी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से संस्थान की स्थापना 3 दिसंबर 2008 को हुई जो विधिवत रूप से 5 जनवरी 2009 को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनी ये नाम खानपुर विधायक पत्रकार और मित्र उमेश कुमार के आत्मीय सहयोग से कॉरपोरेट मंत्रालय ने हमें आवंटित किया,खोजी पत्रकार और छोटे भाई अभिषेक सिन्हा द्वारा एक कंप्यूटर एडिटिंग मशीन खरीदकर लाई गई जिससे न्यूज़ वायरस नेटवर्क ने रफ़्तार पकड़ी और एसएसपी देहरादून रहे एडीजी अमित सिन्हा ने 50 हज़ार रुपए की आर्थिक मदद की और 25 हज़ार का पहला विज्ञापन देकर न्यूज़ वायरस नेटवर्क को रफ़्तार दी।

डीआईजी पीएचक्यू एस के शुक्ला ने डीजीपी सुभाष जोशी की रजामंदी से पहला फिल्म निर्माण प्रोजेक्ट(दहेज शॉर्ट फिल्म) 90 हज़ार में दिया,इसके बाद कंपनी ने रफ़्तार पकड़ी। हमारी सकारात्मक , रचनात्मक पत्रकारिता के चलते तत्कालीन मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी और उनके सलाहकार स्वर्गीय भाई उमेश अग्रवाल के आशीर्वाद को कभी भुलाया नहीं जा सकता। तात्कालीन सचिव मुख्यमंत्री शत्रुघ्न सिंह ने कंपनी के सकारात्मक पत्रकारिता मिशन को नियमित विज्ञापनों से सहयोग प्रदान किया।

वक्त गुजरता चला गया , 15 जून 2012 को दैनिक न्यूज़ वायरस का जन्म हुआ जो आज 12 साल का हो चुका है । प्रदेश के सबसे युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का समर्थन,सहयोग और आशीर्वाद न्यूज़ वायरस नेटवर्क की सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन को मज़बूत कर रहा है ताकि सकारात्मक समाज की स्थापना में हम अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान कर सकें और हजारों पाठकों तक जनहित में सूचनाएं प्रसारित करने के साथ ही सबका भरोसा कायम रख सकें।

जहां से प्लेन ने भरी उड़ान, 9 घंटे बाद वहीं पर हुई लैंडिग, यात्रियों को वापस ले आई फ्लाइट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : आज के समय में लोग लंबी दूरी तय करने के लिए प्लेन का सहारा लेते हैं, क्योंकि इसमें आप कम समय के भीतर आराम से दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने जा सकते हैं. हालांकि, कभी-कभी आरामदायक सेवा देने वाले इस साधन में भी गड़बड़ियों का सामना करना पड़ता है.

वहीं, कई बार तो घटनाएं इतनी ज्यादा विचित्र हो जाती हैं कि जानकर ही कोई भी सोच में पड़ जाए. ताजा मामला ब्रिटिश एयरवेज का है, जब 9 घंटे की उड़ान के बाद फ्लाइट सभी पैसेंजर्स को वापस उसी जगह ले गई, जहां से प्लेन ने उड़ान भरा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश एयरवेज की बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर ने लंदन से अमेरिका के ह्यूस्टन के लिए उड़ान भरी. 7000 किमी लंबे इस सफर को पूरा करने के लिए फ्लाइट को 10 घंटे 20 मिनट का समय लगता, लेकिन पांच घंटे हवा में रहने के बाद पायलट ने प्लेन को वापस मोड़ लिया, और फिर उसी एयरपोर्ट पर प्लेन को लैंड किया, जहां से उसने उड़ान भरी थी. इसकी वजह तकनीकी खामी बताई जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्लेन ने पूरा अटलांटिक महासागर पार कर लिया था. यात्री इस बात से नाराज थे कि उन्होंने जिस जहां से सफर की शुरुआत की थी, अंत में वो वहीं आ गए. फॉक्स न्यूज से बात करते हुए एयरलाइन ने बताया कि प्लेन के इंजन में खामी आ गई थी. अगर प्लेन को अमेरिका ले जाते तो प्लेन वहां से वापस नहीं आ सकता. इस कारण प्लेन को वापस लाना ठीक था।

इसके बाद एयरलाइन ने सभी यात्रियों से माफी मांगी और उन्हें अगली फ्लाइट में बुकिंग मुहैया कराई. इसके अलावा उन्हें किसी तरह की कोई समस्या ना हो, उनके रहने की सुविधा भी मुहैया करवाई. साथ ही यात्रियों के नुकसान के भुगतान का भी भरोसा दिया।

गजब : हैंड मॉडल' है ये महिला, सिर्फ हाथ दिखाकर कमाती है 2 लाख रुपये महीना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : वैसे तो कहा जाता है कि पैसा कमाना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ लोगों के लिए ये आसान ही होता है. दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अजीबोगरीब काम करके लाखों-करोड़ों रुपये कमा रहे हैं. कोई दूसरों के बदले खुद लाइन में लगकर पैसे कमा रहा है तो कोई अपना पैर दिखाकर अच्छी खासी कमाई कर रहा है. आजकल ऐसी ही एक महिला चर्चा में है, जो सिर्फ अपना हाथ देखकर इतने पैसे कमाती है कि आप सोच भी नहीं सकते. आप सोच रहे होंगे कि भला हाथ दिखाकर कोई पैसे कैसे कमा सकता है, तो चलिए आपको इसके बारे में भी बता देते हैं।

दरअसल, ये महिला पेशे से एक 'हैंड मॉडल' है. वह अपना चेहरा या बॉडी नहीं दिखाती है बल्कि सिर्फ हाथ दिखाकर ही पैसे कमा रही है. अमेरिका के न्यूयॉर्क की रहने वाली इस महिला का नाम एलेक्जेंड्रा बेरोकल है. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक कप में कॉफी डालने या प्रोडक्ट को अपने हाथों से निचोड़ने और उसे इधर-उधर रगड़ने

के बदले पैसे मिलते हैं. वो ये काम करती है और उसका वीडियो बनाया जाता है और उसी के आधार पर उसे पैसों का भुगतान किया जाता है. खास बात ये है कि इस काम में उसे अपना चेहरा नहीं दिखाना पड़ता बल्कि सिर्फ हाथ ही दिखते रहते हैं।

37 साल की एलेक्जेंड्रा कहती हैं कि कई बार जब वो अपने दोस्तों को अपने काम के बारे में बताती हैं तो वो भी चौंक जाते हैं. उन्हें विश्वास ही नहीं होता कि उसे सिर्फ हाथ दिखाने के बदले लाखों रुपये मिलते हैं. वह बताती हैं कि साल 2019 में उन्होंने मॉडलिंग शुरू की थी और वो वाईएसएल, माइक्रोसॉफ्ट, ब्रैंडन ब्लैकवुड, किस नेल्स और सेरेना विलियम्स ज्वैलरी जैसे ब्रांड्स से जुड़ी हुई हैं. वह इन ब्रांड्स के प्रोडक्ट के लिए हैंड मॉडलिंग करती हैं और इसके बदले में कंपनियां उन्हें भुगतान करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार , एलेक्जेंड्रा ये काम पार्ट टाइम के रूप में करती हैं, लेकिन इससे उन्हें साल में 30 हजार डॉलर यानी करीब 25 लाख रुपये की कमाई होती है. ये कमाई महीने के हिसाब से 2 लाख रुपये होती है. हालांकि वो कहती हैं कि ये कमाई उन्हें अपने हाथों की वजह से ही होती है, इसलिए उन्हें अपने हाथों का खास ध्यान रखना पड़ता है. उन्हें अपने नाखून और उसके शेप पर भी विशेष ध्यान देना पड़ता है. इतना ही नहीं, वो अगर घर का कोई काम करती हैं तो ग्लव्स पहनकर करती हैं, ताकि उनके हाथों को कोई नुकसान न पहुंचे।

महिला ने पानी की बर्बादी रोकने का बताया ऐसा तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : आप कभी न कभी टॉयलेट का उपयोग करने के बाद फ्लश करना भूले होंगे, लेकिन क्या हो जब कोई 'पर्यावरण के अनुकूल' होने का दावा करते हुए ऐसी हरकत जानबूझकर करे. एक शख्स ने अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा ही अजीब खुलासा किया है, जिसे पढ़कर लोग दंग रह गए हैं. शख्स का कहना है कि उसकी गर्लफ्रेंड यूरिन के बाद कमोड को फ्लश नहीं करती. इसके पीछे महिला का जो तर्क है, उसे सुनकर यकीन मानिए आप अपना सिर पीट लेंगे। जाहिर है, आप भी यही सोच रहे होंगे कि आखिर यह महिला ऐसी हरकत क्यों करती होगी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शख्स ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट में अपनी आपबीती बताई है

कि कैसे तमाम समझाइश के बाद भी उसकी गर्लफ्रेंड यूरिन के बाद कमोड को फ्लश नहीं करती. शख्स ने बताया कि उसकी पार्टनर की 'सबसे घृणित' आदत का मकसद पानी की बर्बादी को रोकना है. क्यों, पढ़कर घूम गया ना माथा।

शख्स ने अपना दुखड़ा रोते हुए आगे बताया कि वह गर्लफ्रेंड के विचारों से कुछ हद तक सहमत था. लेकिन फिर भी उसने दिन में तीन बार यूरिन करने के बाद कमोड को एक बार फ्लश करने का अनुरोध किया, लेकिन उसने यह कहकर खारिज कर दिया कि वो पानी की बर्बादी नहीं चाहती. हालांकि, शख्स का कहना है कि महिला पॉटी के बाद कमोड को फ्लश करती है क्योंकि उसकी नजर में यह बेहद जरूरी है। महिला की शौचालय संबंधी आदतों के बारे में शख्स के कबूलनामे के बाद अब इंटरनेट पर नई बहस छिड़ गई है. रेडिट पोस्ट पर कई यूजर्स ने बेसिक हाइजीन को लेकर चिंता जताई है. एक यूजर ने लिखा है, पानी की बर्बादी न करने का बहाना अच्छा है. वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है, ऐसे तो ये बीमारी का घर हो जाएगा. एक अन्य यूजर ने लिखा है, अगर महिला दिनभर केवल पानी पीती है, तो शायद गंध न आए।

इस देश को माना जाता है दुनिया का सबसे सुरक्षित देश, पुलिस वाले भी नहीं रखते बंदूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : इस दुनिया में अपराध का स्तर इतना ज्यादा है कि इंसान चाहे किसी भी देश में चला जाए वो सुरक्षित नहीं है. हालांकि, कुछ देश ऐसे भी हैं, जो लोगों के लिए बेहद सुरक्षित हैं. इन देशों में जाकर आपको अपनी जान का खतरा कभी नहीं महसूस होगा, बल्कि परिवार के साथ यहां पर लोग सुख-शांति से जीवन बिता सकते हैं. हम बात कर रहे हैं आइसलैंड देश की जो एक नॉर्डिक देश है और यूरोप का हिस्सा माना जाता है। आज हम बात करने वाले हैं आइसलैंड के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने सवाल किया कि दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह कौन सी है जहां जुर्म का स्तर सबसे कम है? कुछ लोगों ने इसके बारे में उत्तर दिया है. कई लोगों ने आइसलैंड का ही नाम लिया है।

सबसे सेफ है ये देश

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू और बिजनेस इंसाइडर वेबसाइट के अनुसार आइसलैंड को दुनिया का सबसे सुरक्षित देश माना जाता है. ग्लोबल पीस इंडेक्स ने भी इस देश को नंबर 1 का दर्जा दिया है. नेशनल जियोग्राफिक के अनुसार इस देश का 11 फीसदी हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है. अगर ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ती रही तो ये देश जल्द ही डूब जाएगा. आपको जानकर हैरानी होगी कि आइसलैंड की पब्लिक यूनिवर्सिटी ट्यूशन फीस नहीं चार्ज करतीं, सिर्फ एप्लिकेशन और रेजिस्ट्रेशन फीस ही छात्रों से लेती है. इस लिहाज से कहा जा सकता है कि यहां पर शिक्षा मुफ्त में है।

पुलिसकर्मी नहीं रखते बंदूक

जुर्म की बात करें तो यहां इतनी शांति है कि पुलिस को भी बल का प्रयोग नहीं करना पड़ता. यही कारण है कि पुलिसकर्मियों तक के पास बंदूक नहीं होती है, वो सिर्फ पेपर स्प्रे और डंडों के इस्तेमाल पर ही यकीन रखते हैं. इस देश में समलैंगिक विवाह की इजाजत है, और पुरुष और महिलाओं को एक बराबर वेतन देने का प्रावधान है।

आज के दौर में सकारात्मक, रचनात्मक पत्रकारिता की मिसाल है सलीम सैफी

आज तक,न्यूज 24 और भास्कर टीवी का मज़बूत अनुभव दैनिक न्यूज़ वायरस की आत्मा है

हर्ष रंजन,वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

न्यूज़ वायरस: 12 वर्षों की उत्कृष्टता और जनसेवा : आज, यानी15 जून 2024 को न्यूज़ वायरस अखबार ने अपने सफर के 12 वर्ष पूरे कर लिए। 15 जून 2012 को पत्रकार सलीम सैफी द्वारा स्थापित इस अखबार ने उत्तराखंड के देहरादून से अपनी यात्रा शुरू की थी। तब सलीम सैफी भारत के सबसे बड़े और सबसे तेज़ चैनल आजतक से जुड़े हुए थे और एक बेहतरीन क्राइम रिपोर्टर के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। नौकरी छोड़कर एक अखबार निकालने का सैफी का फैसला एक साहसिक कदम था और लोगों के लिए यह एक चौंकाने वाली खबर थी। आम तौर पर एक युवा रिपोर्टर के लिये अपनी नौकरी छोड़कर अखबार निकालने का फैसला आसान नहीं होता है।

उस समय की सरकार में भ्रष्टाचार और घोटाले बहुत हो रहे थे। केंद्र की योजनाएं गरीबों तक पहुंचने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थीं। ऐसे में सलीम सैफी की अखबार निकालने के पीछे की सोच यह थी कि केंद्र की योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने आम लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें योजनाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करने का बीड़ा उठाया। न्यूज़ वायरस ने अपने रिपोर्टिंग और आलेखों के माध्यम से जनता को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके परिणामस्वरूप, लोगों ने अपने अधिकार मांगने शुरू किए और सरकार से सवाल पूछे जाने लगे।

2014 के आम चुनावों में जनता ने तब की यूपीए सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंका और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार केंद्र में आई। इस सरकार ने बड़े पैमाने पर गरीबों और महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाईं। न्यूज़ वायरस अखबार ने अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से इन योजनाओं के बारे में जनता को जागरूक किया और हर जानकारी को को घर-घर तक पहुंचाया। अखबार की सकारात्मक पहल ने समाज में नकारात्मकता दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यूज़ वायरस ने राज्य की पुष्कर धामी सरकार की योजनाओं और कार्यों को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया। राज्य की विकास योजनाओं, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार से संबंधित मुद्दों पर अखबार ने विशेष रिपोर्टिंग की। अखबार ने न केवल जनहित के मुद्दों को उठाया, बल्कि सरकार और जनता के बीच एक सेतु का काम भी किया।

सलीम सैफी को सलाम!

आज, 12वीं वर्षगांठ के मौके पर न्यूज़ वायरस अपने सभी पाठकों का धन्यवाद अर्पित करता है। अखबार के इस सफर में पाठकों का समर्थन और विश्वास ही उसकी असली शक्ति रही है। भविष्य में भी न्यूज़ वायरस जनता के हितैषी मुद्दों को प्रमुखता से उठाता रहेगा और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता रहेगा।अखबार के संपादकीय पेज पर, हम सलीम सैफी की दूरदर्शिता और उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता को सलाम करते हैं। न्यूज़ वायरस ने न केवल खबरों को पहुंचाने का काम किया, बल्कि समाज को जागरूक करने और बेहतर भविष्य की ओर ले जाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अखबार हमेशा अपने पाठकों के हित में काम करता रहेगा और जनसेवा के अपने उद्देश्य को कभी नहीं भूलेगा।इस 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर, हम वादा करते हैं कि भविष्य में भी न्यूज़ वायरस जनता की आवाज बनेगा और उनके अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। हमारा प्रयास रहेगा कि हम जनता और सरकार के बीच की कड़ी बने रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के अपने मिशन को जारी रखें।

दैनिक न्यूज़ वायरस के 12 वर्ष का सफ़रनामा

आशीष तिवारी/मनीष चंद्रा
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

संस्थान नहीं एक विचार की शुरुआत करने से पहले सलीम सैफी जी के मन में पूर्व में अर्जित अनुभवों की पिछली यात्रा पर जब निकली टीम न्यूज़ वायरस तब हमने तय किए थे कुछ फॉर्मूले कुछ अपने सिद्धांत ... हम अपने संस्थान में कारपोरेट कल्चर वाले कर्मचारी नहीं रखेंगे, हम साथी बनेंगे ,काम के बदले में दिए जाने वाले वेतन से कर्तव्य निष्ठ साथियों का कभी सम्मान तय नहीं किया जा सकता- हम न्यूज़ वायरस हैं- हम संवेदना के संवाहक हैं।

पत्रकारिता हमारे लिए उद्यम नहीं बल्कि लोगों से जनसंपर्क का माध्यम है जहां मानवीय संवेदनाओं और रिश्तो की एक लंबी फेहरिस्त है। हम दबाव मुक्त सुझाव युक्त पत्रकारिता के प्रतिपादक हैं। हम सार्थक हैं हम सिद्ध हैं - हम न्यूज़ वायरस हैं.....

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हुए फिर से शुरू VIP दर्शन पर लगी 10 जून तक रोक
वर्ष : 12 अंक : 308 देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16
जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने में लाएं तेजी : मुख्यमंत्री धामी
वैज्ञानिक आधार पर जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए तेजी से कार्य किये जाए
वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए वनाग्नि संभावित क्षेत्रों में नमी संरक्षण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए
विश्व पर्यावरण दिवस : सीएम धामी ने किया सिटी पार्क में वृक्षारोपण

3 दिसंबर 2008

3 दिसंबर 2008 से कुछ हफ्ते पहले ही हमने अपने संस्थान को एक नाम दिया न्यूज़ वायरस, लोगों को पहले यह थोड़ा अटपटा लगा लेकिन मुझे कहीं ना कहीं आभास था पत्रकारिता के मौजूदा डिजिटल स्वरूप का जब वायरल शब्द ही सूचना का सबसे बड़ा ₹खलीफा₹ या ₹सरदार₹ शब्द बन जाएगा।मुझे इस बात का पूर्व आभास पत्रकारिता के अनुभव के साथ ही हो चुका था, इस वायरल चलन के लीड रोल को भांपते हुए मैंने संस्थान का नामकरण न्यूज़ वायरस टीवी नेटवर्क के नाम से किया। टीवी जरूरी इसलिए था कि मेरी स्वर्णिम पत्रकारिता की शुरुआत और अनुभव दिग्गज संस्थाओं की यात्रा से जुड़े थे तो हमने 3 दिसंबर 2008 को दूरदर्शन उत्तराखंड पर वीकली एपिसोड वाला सरकारी सूचनाओं और योजनाओं से सजा हुआ 25 मिनट का एक प्रोग्राम उतारा जो की दूरदर्शन उत्तराखंड पर प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को आपकी आवाज जान से प्रसारित किया गया जिसे समूचे उत्तराखंड सहित पत्रकारिता जगत में सराहा गया।

5 जनवरी 2009

5 जनवरी 2009 हमारे संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक घड़ी के रूप में दर्ज है जब इस दिन हमने प्रमाणित तौर पर अपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का रजिस्ट्रेशन कराया और तब से लेकर आज तक न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड पत्रकारिता की प्रत्येक विधाओं में जनहित में सूचनाएं प्रसारित कर रहा है।हम भारत सरकार की विभिन्न प्रसारण नियमावालियों और एजेंसियों से मान्यता प्राप्त पत्रकारिता संस्थान हैं

15 जून 2012 दैनिक न्यूज़ वायरस

15 जून 2012 से दैनिक न्यूज़ वायरस अखबार ने हजारों पाठकों का भरोसा आज तक कायम रखा है। हमारी सकारात्मक पत्रकारिता से पाठको तक न सिर्फ सरकार की विभिन्न योजनाओं की समग्र सूचनाऐं पहुंच रही हैं बल्कि उनकी जानकारी के लिए हम निरंतर शोध में रत हैं।

क्वांटम विश्वविद्यालय के छात्रों का 26.50 लाख के पैकेज़ पर शानदार प्लेसमेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की, 13 जून 2024 - क्वांटम विश्वविद्यालय के बी.टेक 2024 बैच के तीन उत्कृष्ट छात्र - अर्पित खानुलिया, शरद प्रताप सिंह, और आधार जैन - का प्रतिष्ठित कंपनी Zscaler में शानदार प्लेसमेंट हुआ है। Zscaler, जो कि क्लाउड सुरक्षा में एक वैश्विक अग्रणी है, ने इन प्रतिभाशाली छात्रों को 26.50 लाख प्रति वर्ष का शानदार पैकेज प्रदान किया है, जो छात्रों के कैरियर के लिए काफी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। । Quantum University के सभी छात्रों और शिक्षाको के लिये भी ये काफी गौरव का अवसर है।

क्वांटम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, श्री अजय गोयल ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह अन्य छात्रों और शिक्षकों को निश्चित रूप से प्रेरित करेगा और आने वाले भविष्य में विश्यविद्यालय और भी ऐसे कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस उल्लेखनीय सफलता का जश्न मनाने के लिए, Quantum University ने एक विशेष समारोह का आयोजन किया जिसमें अर्पित, शरद, और आधार की मेहनत और सफलता का सम्मान किया गया। इस खुशी के मौके पर निदेशक, रजिस्ट्रार, डीन, प्लेसमेंट टीम, फैकल्टी, छात्र और स्टाफ सभी ने एकत्रित होकर इन प्रतिभाशाली छात्रों की सफलता की सराहना और जश्न मनाया।

Zscaler, अपनी अभिनव क्लाउड सुरक्षा समाधानों के लिए प्रसिद्ध है, और एक गतिशील और चुनौतीपूर्ण कार्य वातावरण प्रदान करता है। यह अवसर हमारे छात्रों के करियर में निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा, जिससे उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने और वैश्विक डिजिटल सुरक्षा परिदृश्य में योगदान देने का मौका मिलेगा।

Zscaler, अपनी अभिनव क्लाउड सुरक्षा समाधानों के लिए प्रसिद्ध है, और एक गतिशील और चुनौतीपूर्ण कार्य वातावरण प्रदान करता है। यह अवसर हमारे छात्रों के करियर में निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा, जिससे उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने और वैश्विक डिजिटल सुरक्षा परिदृश्य में योगदान देने का मौका मिलेगा।

उत्तराखंड : गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, 3 दिनों के लिए लू का ऑरेंज अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जून : राजधानी देहरादून का तापमान अपने 122 साल के सर्वोच्तम स्तर पर रहा, कल यहां तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पूर्व 4 जून 1902 को दून का तापमान 43.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। मैदानी क्षेत्रों में लू चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि पांच पर्वतीय जिलों के ऊंचाई वाले स्थानों में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड के कई मैदानी शहरों में भीषण गर्मी के कारण आसमान से आग बरस रही है। लू के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल कर दिया है। तापमान बढ़ने के साथ सड़कों पर दुपहिया वाहन सवारों और पैदल चलने वालों को सबसे ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पतालों में पेट संबंधी समस्याएं, उल्टी और दस्त की शिकायत लेकर कई मरीज पहुंच रहे हैं। इस बार की भीषण गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हर महीने एक नया रिकॉर्ड बन रहा है अगर यूँ ही चलता रहा तो आने वाले सालों में न जाने क्या हाल होगा। देहरादून में 122 वर्षों के बाद अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया जो अभी तक ऑल टाइम रिकॉर्ड है।

मौसम केंद्र देहरादून से जारी किया गया आज के पूर्वानुमान के अनुसार पांच पर्वतीय जिलों उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथोरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में गर्जन के साथ हल्की वर्षा की सम्भावना है। शेष मैदानी क्षेत्रों में लू चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि दिन प्रतिदिन बढ़ रही गर्मी की वजह से प्री मानसून में होने वाली बारिश अब नहीं भी हो सकती है, साथ ही अगले दो से तीन दिन गर्म इसे राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने आगे बताया कि बारिश में आई गिरावट और जलवायु परिवर्तन से मैदान से लेकर पहाड़ तक भीषण गर्मी पड़ रही है।

देहरादून का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

चीनी मिलों और गन्ना किसानों के हमदर्द बने मंत्री सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जून : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने समीक्षा बैठक में कई बड़े निर्देश दिए हैं। इस दौरान सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, आयुक्त गन्ना विकास व चीनी उद्योग काशीपुर, संयुक्त आयुक्त गन्ना विकास व चीनी उद्योग, महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड शुगर्स, किच्छा/बाजपुर/नादेही / डोईवाला / सितारगंज चीनी मिलों के प्रधान प्रबन्धक / अधिशासी निदेशक, समस्त विभागाध्यक्षों तथा निजी क्षेत्र की चीनी मिलों के अध्यासी एवं सहायक गन्ना आयुक्त देहरादून, हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर मंत्री सौरभ बहुगुणा की इस हाई प्रोफ़ाइल बैठक में शामिल रहे।

समीक्षा बैठक में मंत्री सौरभ ने दिए निर्देश

निजी क्षेत्र की चीनी मिल इकबालपुर पेराई सत्र 2023-24 के अवशेष गन्ना मूल्य रू0 20.36 करोड़ का भुगतान समीक्षा 15 जुलाई, 2024 तक अनिवार्य रूप से अवश्य करना सुनिश्चित करें। निजी क्षेत्र की चीनी मिल इकबालपुर पेराई सत्र 2018-19 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान रू0 106.17 करोड़ के भुगतान हेतु Concreate प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाय। चीनी मिलों के आगामी पेराई सत्र 2024-25 का शुभारम्भ 20 नवम्बर, 2024 से किसी भी दशा में प्रारम्भ किया जाय तथा 30 अक्टूबर, 2024 तक चीनी मिलों के समस्त मरम्मत, अनुरक्षण एवं ट्रायल के कार्य अवश्य पूर्ण कर लिये जाय।

चीनी मिलों का मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य इस प्रकार किया जाय कि आगामी पेराई सत्र 2024-25 के दौरान तकनीकी बन्दियो का सामना न करना पडे। चीनी मिलों में कृषकों के रहने, शौचालय, पेयजल एवं पंचर बनाने वाले आदि हेतु पूर्व में की गयी व्यवस्था अनिवार्य रूप से चीनी मिलों द्वारा समीक्षा कर ली जाय। कृषकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु गोष्ठियाँ आयोजित की जाय।छोटे कृषकों को तीसरे से चौथे पखवाड़े तक पर्चियों उपलब्ध कराये जाने हेतु सट्टा नीति में आवश्यक संशोधन कर लिया जा

पौड़ी : अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता था गिरोह, हरियाणा से हुई महिला आरोपी गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 15 जून : कोटद्वार के एक स्थानीय निवासी ने कोतवाली कोटद्वार में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि, किसी अज्ञात व्यक्ति ने वीडियो कॉल को एडिट कर अश्लील वीडियो बनाया, और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर 3,54,000/- रूपये की ठगी की हैपीड़ित द्वारा की गई शिकायत के आधार पर थाना कोटद्वार में एफआईआर संख्या 125/2024 धारा 420 आईपीसी बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया है। जनता के साथ हो रही इन नई और अलग- अलग प्रकार की ठगी को गम्भीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार को टीम गठित कर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर घटना का खुलासा करने के निर्देश दिये।

प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार की गठित पुलिस टीम ने ठोस साक्ष्य संकलन एवं कुशल विवेचना के अथक प्रयासों से रगिरोह की महिला अभियुक्ता पवन, पुत्री दिलबाग सिंह, निवासी, ग्राम- दुधीपुर नौशहरा मज्जा सिंह थाना शेखवा, जिला- गुरदासपुर पंजाब, वर्तमान में किराएदार दीपक कुमार निकट कृष्णा मार्केट टेरी शॉप बिनौला, थाना-बिलासपुरह को हरियाणा से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। गिरोह के अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि आजकल साइबर ठगी का एक नया ट्रेंड चल रहा है, जिसमें साइबर ठग वीडियो एडिट कर अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर आम लोगों को ब्लैकमेल कर रहे हैं तथा उन्हें डरा-धमकाकर या भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल कर समझौते के नाम पर बड़ी रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसे अज्ञात व्यक्तियों के कॉल व मैसेज से सतर्क रहें तथा बिल्कुल भी घबराएं नहीं, तत्काल नजदीकी थाने या साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 पर सूचना दें।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में महिला सुरक्षा के प्रति पौड़ी पुलिस अति संवेदनशील

पौड़ी 15 जून : एक स्थानीय निवासी लैन्सडाउन जनपद पौड़ी गढ़वाल ने राजस्व पुलिस चौकी सीला-1, तहसील लैंसडाउन, जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी कि गजपाल सिंह पुत्र बचन सिंह ने उनकी नाबालिग पुत्री (उम्र-13 वर्ष) के साथ दुष्कर्म किया है। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर राजस्व पुलिस चौकी राजस्व सीला-1 पर मु0अ0सं0- 01/2024, धारा- 376 (3), 506 भादवि व 5/6 पोक्सो अधिनियम बनाम गजपाल सिंह पंजीकृत किया गया। अभियोग नाबालिग युवती से सम्बन्धित होने के कारण विवेचना जिलाधिकारी के आदेशानुसार राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस को स्थानान्तरित हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा प्रकरण नाबालिग बालिका से सम्बन्धित होने के कारण अपराध की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल थानाध्यक्ष सतपुली को टीम गठित करने एवं त्वरित कार्यवाही कर अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया।निर्गत निर्देशों के क्रम में पुलिस टीम का गठन किया गया, गठित टीम द्वारा ठोस सुरागरसी पतारसी कर अभियुक्त गजपाल सिंह पुत्र बचन सिंह को ग्राम जोगी विलंगी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया।

अपराधी का नाम पता : गजपाल सिंह पुत्र बचन सिंह उम्र-52 वर्ष, निo ग्राम जोगी विलंगी, पो0- फतेहपुर, पट्टी शीला, तहसील लैंसडाउन, जनपद पौड़ी गढ़वाल। अपराधी को पकड़ने वाली पुलिस टीम 1. महिला उपनिरीक्षक प्रियंका नेगी 2. आरक्षी संदीप

उत्तराखंड के इस मिनी कश्मीर में मौजूद है छिपा हुआ झरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : उत्तर भारत की बढ़ती गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है. यहां गर्मी की वजह से लोगों का बुरा हाल हो रहा है ऐसे में हर कोई कहीं न कहीं छुट्टी मनाने का प्लान कर रहा है.दिल्ली में रहने वाले अधिकतर लोग आसपास की जगहों में छुट्टी मनाना पसंद करते हैं जिसमें शिमला, मनाली, देहरादून शामिल है. दिल्ली से पास होने की वजह से यहां जून, जुलाई के महीने में पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है.

पर्यटकों की भीड़ की वजह से पहाड़ों पर जाम लगना शुरू हो जाता है क्योंकि लगभग हर इंसान अपने परिवार की सुविधा के लिए अपनी गाड़ी से जाना पसंद करता है. ऐसे में गाड़ियों की संख्या ज्यादा होने की वजह से ट्रैफिक जाम लगना शुरू हो जाता है. इस वजह से आपका समय भी खराब हो जाता है. ऐसे में हम आपको उत्तराखंड में मौजूद एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आपको भीड़ कम मिलेगी और आप यहां सुकून के पल भी जी पाएंगे।

उत्तराखंड अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए मशहूर है, यहां कई प्राकृतिक नजारे हैं जिनकी खूबसूरती पहली नजर में आपका मन मोह लेगी. उत्तराखंड का पिथौरागढ़ जिला उन्हीं में से एक है. यहां की खूबसूरत पहाड़ियों की वजह से इसे 'मिनि कश्मीर' भी कहा जाता है. यहां एक कुदरती वाटरफॉल भी है जो कोरोना से पहले तक गुप्त ही था. आइए जानते हैं इसके बारे में। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ मुख्यालय से महज 17 किलोमीटर की मौजूद है ये वाटरफॉल. कोरोना काल से पहले लोग इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे. इसके बाद से ये लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है. यह वॉटरफॉल प्राकृतिक सुंदरता का सटीक उदाहरण है. यह वाटरफॉल हर तरफ से जंगलों से घिरा है, इसकी खूबसूरती पहली नजर में आपका मन मोह लेगी।

कोरोना काल में जब अधिकतर लोग बेरोजगार होकर अपने अपने गांव वापस आने लगे थे, उसी समय भुरमुणी गांव के युवा जब शहर से अपने घर लौट रहे थे तब उन्होंने इस झरने की खोज की थी. इस झरने का पता लगने के बाद उन लोगों ने एक दूसरे की मदद से वहां तक पहुंचने का रास्ता भी खोज निकाला था. इसके बाद से प्रकृति के इस खूबसूरत नजारे का लोगों को पता चला। यहां पहुंचने के लिए आपको लगभग एक किलोमीटर पैदल चलना होगा. बरसात के मौसम में भुरमुणी वाटरफॉल का नजारा देखने लायक होता है. वहीं जून के महीने में अधिकतर लोग तपती गर्मी से राहत पाने के लिए यहां जरूर पहुंचते हैं।

उत्तराखंड : गढ़वाल की बेटी प्रियंका नेगी बनी सेना में लेफ्टिनेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 15 जून : प्रियंका नेगी शॉर्ट सर्विस कमीशन से इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हो चुकी हैं और वर्तमान में प्रियंका सेना अस्पताल जम्मू में बतौर लेफ्टिनेंट प्रशिक्षण ले रही हैं।उत्तराखंड की बालिकाएं भी अब भारतीय सेना में अपने कदम बढाकर सफलता के नए-नए आयामों को छू रही हैं। इसी क्रम में अगस्त्यमुनि क्षेत्र की प्रतिभावान बालिका प्रियंका नेगी ने इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट का पद हांसिल कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। जिससे पूरे क्षेत्र और जिले में ख़ुशी की लहर दौड़ पड़ी है। प्रियंका का बचपन से ही सपना रहा है कि वे मेडिकल फील्ड में जाकर जरूरतमंदों की मदद करे। सेना में शामिल होना पर वे अपने आप का धन्य मानती हैं और गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका मूल रूप से जनपद रुद्रप्रयाग के जग्गी कांडई गांव की हैं।

प्रियंका तीन बहनें और एक भाई है इनमें वे दूसरे नंबर पर आती हैं, प्रियंका के पिता कल्पेन्द्र सिंह नेगी ब्लॉक कार्यालय अगस्त्यमुनि में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और इनकी माता पुष्पा नेगी गृहणी है। प्रियंका अगस्त्यमुनि में ही पली बढ़ीं हैं, इन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई चिल्ड्रन एकेडमी इंटरमीडिएट कॉलेज से की। फिर इसके बाद प्रियंका ने बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कंबाइंड मेडिकल इंस्टीट्यूट, देहरादून और एमएससी नर्सिंग की पढ़ाई स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय देहरादून से की। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनका चयन सैफई मेडिकल कॉलेज, इटावा (यूपी) में नर्सिंग अधिकारी के पद पर हुआ। केवल छह महीने के अंदर ही उन्होंने भारतीय सेना के मेडिकल कोर में शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत लेफ्टिनेंट पद प्राप्त कर लिया। वर्तमान में वे सेना अस्पताल जम्मू में लेफ्टिनेंट के रूप में प्रशिक्षण ले रही हैं।

योगा शिक्षकों के लिए बढ़िया ख़बर, संविदा पर होगी नियुक्ति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 जून : राज्य के संकुल विद्यालयों में संविदा पर 1201 शारीरिक शिक्षा एवं योग शिक्षकों) की संविदा पर नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए विभागीय मंत्री के निर्देशों के क्रम में शासन स्तर पर कसरत भी शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार विद्यालयी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राज्य में संकुल के 598 माध्यमिक विद्यालयों और 603 बेसिक स्कूलों में प्रत्येक में एक-एक शारीरिक या योग शिक्षक की नियुक्ति की योजना है। इस प्रकार कुल 1201 शारीरिक एवं योग शिक्षकों की संविदा पर नियुक्ति की जाएगी।

इस संबंध में शासन स्तर पर हुई बैठक में सैद्धांतिक सहमति बन गई है। अब शासन माध्यमिक और बेसिक शिक्षा निदेशक से विधिवत प्रस्ताव मांगेगा, ताकि वित्त विभाग का अनुमोदन प्राप्त कर नियुक्तियां की जा सकें। माना जा रहा है कि सरकार की प्राथमिकता को देखते हुए इस दिशा में तेजी से औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी। इससे योग एवं शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षकों के लिए नये अवसर खुलेंगे।

अनोखा रेलवे स्टेशन, जिसे मिलकर चलाते हैं गांव के लोग, खुद काटते हैं टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : भारत के लिए रेलवे उसकी रीढ़ की हड्डी जैसा है. देश के एक इलाके से दूसरे इलाके तक आसान और किफायती तरीके से पहुंचने में रेलवे बहुत मददगार साबित होता है. कई ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन हैं जिनके बारे में कई चीजें काफी अलग और अजीबोगरीब हैं. ऐसा ही एक अनोखा रेलवे स्टेशन राजस्थान में है. इस स्टेशन को सिर्फ गांव के लोग ही चलाते हैं. वही इसकी देखरेख करते हैं. हैरानी इस बात की है कि इस स्टेशन पर एक भी रेलवे का कर्मचारी नहीं है।

"भारत का वो कौन सा रेलवे स्टेशन है जिसे गांव वाले मिलकर चलाते है?" जवाब कई लोगों को शायद नहीं पता होगा. तो चलिए आपको फटाफट बता देते हैं कि लोगों ने इसके बारे में क्या उत्तर दिया. आजम अली नाम के एक शख्स ने कहा- "राजस्थान के जालसू नानक रेलवे स्टेशन एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जिसको खुद ग्रामीण चलाते हैं. इस रेलवे स्टेशन की शर्त ये है कि इसे महीने में 1500 टिकट बेचना जरूरी क्योंकि ये रेलवे की शर्त है. राजस्थान में नागौर का जालसू नानक रेलवे स्टेशन, देश का पहला रेलवे स्टेशन है, जहां कोई रेलवे अधिकारी या कर्मचारी नहीं है. फिर भी यहां 10 से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं। ऊपर दिया गया जवाब पूरी तरह सही है. जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन राजस्थान के नागौर जिले से करीब 80 किलोमीटर दूर है. यही देश का सबसे अनोखा स्टेशन है जिसे रेलवे कर्मी नहीं, बल्कि गांव वाले चलाते हैं. यहां पर गांव वाले टिकट बेचते हैं, स्टेशन की देखरेख करते हैं, और हर तरह का काम देखते हैं. साल 2022 की द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार इन ग्रामीणों ने ऐसा 17 सालों तक किया है, पर अब वो रेलवे को स्टेशन का कार्यभार लौटाना चाहते हैं।

आपको बता दें कि जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन की शुरुआत 1976 में हुई थी जिससे सिपाहियों के मूवमेंट और उनके परिवार को सहूलियत मिल सके. रेलवे स्टेशन के पास मौजूद 3 गांव थे, जहां अधिकतर लोग सेना में थे. साल 2005 में रेलवे ने इस स्टेशन को बंद कर दिया था. इस वजह से गांव वालों ने विद्रोह करना शुरू कर दिया. रेलवे ने एक कंडीशन रख दी. उन्होंने कहा कि गांव वाले रेलवे स्टेशन को मैनेज कर सकते हैं, पर उन्हें 1500 टिकट हर महीने बेचने पड़ेंगे. गांव वालों ने इस वजह से स्टेशन को चलाया जिससे देश की सुरक्षा में लगे जवानों को किसी तरह की समस्या न पैदा हो. तब से इसका संचालन वो लोग कर रहे थे।

इस वजह से भी बढ़ती है बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : मनुष्य स्वयं को कितना भी आधुनिक बना ले, लेकिन उसे लौट के अपने पुराने ज्ञान की ओर ही पलटना पड़ता है, क्योंकि आधुनिक विज्ञान अधूरा है और प्राचीन शोध पूरी तरह जांचे परखे और हानिरहित होते हैं। अब बात करते हैं आज के सबसे प्रसिद्ध खाद्य भोजन पनीर की, भारतीय लोग तो पनीर के इतने दीवाने हो चुके हैं कि इन्हें जहां पनीर मिल जाता है। बहुत ही मजे से चाप लेते हैं, होटल में गए तो बिना पनीर खाये इनके गले से निवाला नहीं निगलता कढ़ाई पनीर, शाही पनीर, मटर पनीर, चिली पनीर और भी न जाने क्या क्या पनीर समोसे में पनीर, पकौड़ी में पनीर, पिज्जा में पनीर, बर्गर में पनीर, मतलब जहां देखो वहां पनीर, भारत में शायद जितना दूध पैदा नहीं होता उससे ज़्यादा पनीर बनता होगा।

चिकित्सा विज्ञान में सबसे प्राचीन विधा आयुर्वेद में दूध, दही, घी का जिक्र हर जगह है किन्तु इस नामुराद पनीर का जिक्र कहीं नहीं मिलता, आखिर क्यों ? यदि पनीर इतना ही अच्छा है तो इसके बारे में किसी ऋषि ने कुछ लिखा क्यों नहीं ?जब

गहराई से इसकी पड़ताल की तो पता चला किआयुर्वेद में पनीर को निकृष्टतम भोजन के रूप में बताया गया है, बोले तो कचरा और कचरा भी ऐसा वैसा नहीं, ऐसा कचरा जिसे जानवरों को भी खिलाने से मना किया गया है।दूध को फाड़ कर या दूध का रूप विकृत करके पनीर बनता है, जैसे कोई सब्जी सड़ जाए तो क्या उसे खाएंगे ?पनीर भी सड़ा हुआ दूध है,भारतीय इतिहास में कहीं भी पनीर का उल्लेख नहीं है न ही ये भारतीय व्यंजन है, क्योंकि भारत में प्राचीन काल से ही दूध को विकृत करने की मनाही रही है, आज भी ग्रामीण समाज में घर की महिलाएं अपने हाथ से कभी दूध नहीं फाड़ती !

पनीर खाने के नुकसानआयुर्वेद ने तो शुरू से ही मना किया था कि विकृत दूध लिवर और आंतों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन अब आधुनिक विज्ञान ने भी अपने नए शोध में साबित किया है कि पनीर खाने से आंतों पर अतिरिक्त दबाव आता है जिससे पाचन संबंधित रोग होते हैं, पनीर में पाया जाने वाले प्रोटीन पचाने की क्षमता जानवरों में भी नहीं होती है फिर मनुष्य उसे कैसे पचा सकता है !नतीजा होता है खतरनाक कब्ज, फैटी लीवर और आगे चल कर शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लडप्रेशर और यही पनीर पेट की खतरनाक बीमारी IBS को भी पैदा करता है।ज़्यादा पनीर खाने से खून में थक्के जमने की शिकायत होती है, जो ब्रेन हैमरेज और हार्ट फेलियर का कारण बनता है। वहीं ये पनीर हार्मोनल डिसबैलेंस का कारण बनता है जिससे हाइपोथायरायडिज्म या हाइपरथायराइडिज्म पनपता है, महिलाओं में गर्भ धारण करने की क्षमता कम होती है पुरुषों में नपुंसकता आती है। कुल मिला कर यदि देखा जाए तो ये पनीर लाभ तो सिर्फ जीभ को देता है लेकिन हानि पूरे शरीर की करता है, इसलिए अगली बार पनीर खाने से पहले सोचिएगा जरूर।

भाजपा को हरिद्वार की मंगलौर सीट के लिए हरियाणा से प्रत्याशी आयात करना पड़ रहा है : सूर्यकांत धस्माना

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने बदरीनाथ और मंगलौर उपचुनाव में हाल में दल बदल करने वाले नेताओं को टिकट देकर साफ कर दिया है कि, पार्टी के पास योग्य नेताओं का संकट है। शुक्रवार को अपने कैम्प कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में धस्माना ने कहा कि भाजपा को हरिद्वार की मंगलौर सीट के लिए हरियाणा से प्रत्याशी आयात करना पड़ रहा है। धस्माना ने आरोप लगाया कि एक तरफ सरकार भू कानून की मांग पर टाल मटोल कर रही है, दूसरी तरफ हरियाणा से संबंध रखने वाले ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया जा रहा है, जो इससे पहले कई राज्यों में ना सिर्फ चुनाव लड़ चुका है, बल्कि उसका खनन और भूमि के व्यापार से भी गहरा रिश्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राज्य विधानसभा के लिए दूसरे राज्य के व्यक्ति को टिकट देकर उत्तराखंडियत को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि जब राज्य में कानून बनाने वाला ही दूसरे प्रदेश से आ रहा है तो फिर ऐसे में भू कानून की मांग कैसे पूरी होगी। इधर, कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने बयान जारी करते हुए कहा कि उपचुनाव के लिए प्रत्याशी चयन में भाजपा को अपने कैडर में कोई नहीं मिला, इसीलिए भाजपा को दूसरे दलों से लाए गए नेताओं को टिकट थमा दिया है।

संपादकीय

कुवैत का 'लाक्षा गृह'

कुवैत की अल-मंगाफ इमारत आज के संदर्भ में 'लाक्षा गृह' करार दी जा सकती है। इमारत में 196 विदेशी कामगार, मजदूर आदि भेड़-बकरियों की तरह रहने को विवश थे। इस 'लाक्षा गृह' में भीषण आग लगी, तो वह फैलती ही गई। आग बुझाने के उपकरण नहीं थे। आग से बचकर बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। आग फैलने लगी, तो भगदड़ के हालात बन गए, नतीजतन मजदूर अपनी जिंदगी बचाने में असहाय, असमर्थ रहे। जलकर भस्म होने वालों में 45 भारतीय थे। उनमें सर्वाधिक 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, 3 आंध्रप्रदेश के और उप्र, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के एक-एक व्यक्ति थे। दरअसल भारतीय दुनियाभर में नौकरी करने, पेशा करने और कारोबार खोलने को जाते हैं। मकसद होता है कि अधिकतम पैसा कमाया जाए और भारत में परिजनों को कुछ पैसा वापस भेजा जाए, लेकिन त्रासदियों के आंकड़े सिर्फ खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अमरीका, रूस, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों में मजदूर ही नहीं, भारतीय छात्र भी त्रासदियों के शिकार होते रहे हैं। चूंकि मजदूरी, राजमिस्त्री, बढ़ई, बिजलीकर्मी, फैक्टरी एवं घरेलू कामगार, फूड डिलीवरी एजेंट के तौर पर इतने भारतीय कुवैत में काम करते हैं कि वे वहां के कुल कार्यबल के 20 फीसदी से अधिक हैं। करीब 10 लाख भारतीय कुवैत में रहते और काम करते हैं। विदेश मंत्रालय के डाटा के मुताबिक, करीब 88 लाख भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। कुवैत इमारत की घटना त्रासद के साथ-साथ अमानवीय भी है। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। कुवैत के उपप्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन की वजह से यह त्रासदी हुई, लेकिन हम सिर्फ कारणों से ही संतुष्ट नहीं हो सकते। भारत का बुनियादी सवाल है कि क्या कुवैती सरकार 'लाक्षा गृह' वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी? दरअसल यह सामूहिक जिंदगी का सवाल है। खाड़ी और अरब देश नौकरी, मजदूरी, कौशल-पेशेवर रोजगार के बड़े आकर्षक गंतव्य हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के नियमों के अनुसार विदेशों में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन निर्धारित है। कुवैत के लिए भारत ने राज्यों के साथ मिल कर 2016 में 64 श्रेणियों के काम के लिए 300-1050 डॉलर की सीमा तय की थी। कुवैत में भारतीय कामगारों को भेदभाव से लेकर खराब, अमानवीय कामकाजी परिस्थितियों तक से जूझना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, प्रवासी मजदूर दुर्व्यवहार, जबरन मजदूरी और निर्वासन आदि के शिकार होते रहते हैं। एक खोजी रपट में खुलासा हुआ था कि कतर में जब फुटबाल स्टेडियम निर्माणाधीन था और जो भारतीय कामगार काम कर रहे थे, उनकी जिंदगी बेहद अनिश्चित और मुश्किल थी। बेशक खाड़ी देशों में मोटा वेतन और अच्छी-खासी दिहाड़ी दी जाती है, लेकिन अकुशल, सेमी कुशल और खुदमुख्तार श्रमिकों ने अन्य प्रवासी कुशल कामगारों की सौदेबाजी की क्षमता को कम किया है।

ट्रकों के पीछे क्यों लिखा होता है, 'Use Dipper at Night'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 जून : : आम बोलचाल में कई ऐसे शब्द होते हैं जिनका हम गलत इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उस पर किसी का ध्यान नहीं जाता है. ऐसी ही एक लाइन है 'Use Dipper at Night'. यह लाइन देश के हाइवे पर दौड़ते ट्रकों के पीछे अक्सर दिख जाती है. इस लाइन का शाब्दिक अर्थ है कि जब आप रात में गाड़ी चलाते हैं तो डिपर लाइट का इस्तेमाल करें. लेकिन, यह जानकार आपको हैरानी होगी कि इस लाइन का डिपर लाइट से कुछ भी लेना देना नहीं है.दरअसल, हम सोचते हैं कि जब हम रात में गाड़ी ड्राइव करते हैं तो दूर तक की चीजों को देखने के लिए डिपर लाइट का इस्तेमाल करना चाहिए. गाड़ियों में लगे हेड लैंप में यह विकल्प दिया गया होता है. वैसे शहर के भीतर गाड़ी ड्राइव करने पर डिपर लाइट का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. डिपर लाइट में हेड लैंप का फोकस बढ़ जाता है. फोकस सीधे सड़क के समानांतर हो जाता है. इससे आपको दूर की चीजें आसानी से दिखाई देती है. लेकिन, ट्रकों के पीछे लिखे 'Use Dipper at Night'का कतई मतलब यह नहीं होता।

अब आपके मन में यह सवाल जरूर उठा रहा होगा कि इसका मतलब क्या है. दरअसल, 'Use Dipper at Night' एक जागरूकता अभियान का टैगलाइन है. डिपर एक ब्रांड का नाम है. सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं ने करीब एक दशक पहले टाटा मोटर्स के साथ मिलकर यह अभियान चलाया था। दरअसल, तमाम शोध में यह पाया गया था कि देश में बड़ी संख्या में ट्रक ड्राइवर सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज (STD) और एड्स से पीड़ित हैं. ऐसा होने के पीछे का मुख्य कारण है कि ट्रक ड्राइवर लंबे समय तक परिवार से दूर रहते हैं. ऐसे में वे संबंध बनाने की जरूरत को पूरा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते थे. साथ ही वह संबंध बनाने में उचित सुरक्षा यानी कंडोम का इस्तेमाल भी बहुत कम रहते थे. परिवार से दूर रहने के कारण ट्रक ड्राइवर अक्सर असुरक्षित संबंध बनाते थे।

इन्हीं समस्याओं को देखते हुए स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकार ने ड्राइवरों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया. इसमें देश की सबसे प्रमुख ट्रक निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने सहयोग किया. दरअसल, देश में ट्रक उत्पादन करने वाली टाटा मोटर्स सबसे बड़ी कंपनी है. देश के हाईवे पर दौड़ने वाली अधिकतर ट्रकें इसी कंपनी की है। कुल मिलाकर ट्रक ड्राइवरों में सुरक्षित संबंध को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए टाटा मोटर्स, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर यह अभियान चलाया था और यह टैग लाइन तैयार की गई. ऐड एजेंसी Rediffusion Y&R ने यह टैग लाइन तैयार किया था. इसका स्पष्ट संदेश है कि रात में संबंध बनाते समय आप डिपर कंडोम का इस्तेमाल करें. एड्स और एसटीडी जैसी बीमारियों से लड़ने में यह कैंपेन काफी लोकप्रिय हुआ. ट्रक ड्राइवरों के बीच भी काफी जागरूकता पैदा हुई।

सूचना के अधिकार के मजबूत होने से व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने के साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगता है : मुख्य सचिव

देहरादून। सचिवालय के लोक सूचना अधिकारियों को आरटीआई की बेहतर जानकारी हेतु प्रोत्साहित करते हुए सीएस राधा रतूड़ी ने कहा कि सूचना के अधिकार के मजबूत होने से व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने के साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगता है। आरटीआई से सरकारी कार्मिकों में ईमानदारी से कार्य करने की प्रवृति बढ़ती है। सूचना का अधिकार अधिनियम आने से नागरिकों को सरकार के कार्यो की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार मिला है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड सूचना आयोग द्वारा सचिवालय के सभी विभागों के लोक सूचना अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखण्ड सूचना आयोग द्वारा सचिवालय के विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारियों हेतु आरटीआई पर यह कार्यशाला आयोजित करना सराहनीय पहल है। आरटीआई की बेहतर जानकारी होने से लोक सूचना अधिकारी अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन अधिक कुशलता से कर पाएंगे। इससे अधिक से अधिक अपीलों का निस्तारण प्राथमिक स्तर पर ही हो जाएगा। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि जिला स्तर तथा विभागीय स्तर पर भी आरटीआई पर कार्यशालाओं को आयोजन किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोग के कार्यों को अधिकाधिक ऑनलाइन करने की बात कही जिससे अधिकाधिक पारदर्शिता बढ़ेगी तथा दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को सुविधा होगी। कार्यशाला में सूचना आयुक्त योगेश भट, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी सहित विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

Chardham Yatra 2024 : मानसून सीजन के लिए हेली सेवाओं की बुकिंग शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 15 जून : मानसून सीजन के लिए 21 जून से 14 सितंबर के बीच केदारनाथ सहित चार धामों के लिए हवाई टिकट बुकिंग कर सकते हैं। हेली टिकट बुकिंग को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

चारधाम यात्रा अभी सामान्य रूप से चल रही है। माना जा रहा है कि 20 जून से मानसून सीजन की शुरुआत के साथ ही यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आ सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए उकाडा ने केदारनाथ धाम की हेली सेवाओं की बुकिंग 20 जून तक ही रखी थी और 21 जून से 14 सितंबर तक के लिए हेली सेवाओं की बुकिंग मानसून सीजन के चलते रोक दी गई थी। ऐसे में 14 जून से मानसून सीजन के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मानसून सीजन के दौरान चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या हर साल कम हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए उकाडा मानसून सीजन के में रोजाना केवल दो ऑपरेटरों के माध्यम से हेली सेवाओं का संचालन करता है, जिससे कम संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को भी हेली सेवा का लाभ मिल सके।

हल्द्वानी : आईटीबीपी जवान की जंगल में पेड़ से लटकी मिली लाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 15 जून : आईटीबीपी जवान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में जंगल में पेड़ से लटका हुआ मिला, जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जवान मूलरूप से गढ़ाई गंगोली पिथौरागढ़ की निवासी था।मिली जानकारी के अनुसार बीती दोपहर को हल्दूचौड़ दोलिया के पास वनकर्मियों को एक पेड़ की टहनी पर युवक का लटका हुवा शव मिला। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और मृतक की शिनाख्त आईटीबीपी जवान चंदन कुमार 32 वर्ष पुत्र किशन राम मूल निवासी गणाई गंगोली जिला पिथौरागढ़ के रूप में हुई है। मृतक चन्दन कुमार नैनीनाल जनपद में स्थिति 34वी वाहिनी लालकुआं आईटीबीपी कैंप में तैनात

था।पुलिस ने बताया है कि चंदन कुमार एक वर्ष पूर्व आईटीबीपी की स्थानीय बटालियन में स्थानांतरित होकर आया था। वर्तमान में जवान बिंदुखत्ता विकासपुरी नंबर दो में किराये के मकान में परिवार के साथ रहता था। उनकी पत्नी अपने दो बच्चों के साथ मायके गई हुई है, पुलिस ने बताया कि अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आईटीबीपी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, आगे की जांच लालकुआं पुलिस करेगी।

मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने पुरस्कार वितरण किए

ऋषिकेश 14 जून 2024 ।क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने 'बिल लाओ ईनाम पाओ'' योजना के पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच तथा इयर पोड वितरित किये।शुक्रवार को राज्य कर विभाग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ अग्रवाल ने बताया कि माह दिसम्बर, जनवरी, फरवरी के मासिक पुरस्कार वितरित किये गए हैं। बताया कि 01 सितम्बर, 2022 से 31 मार्च, 2024 तक कुल 86,905 उपभोक्ता पंजीकृत हुये हैं, जिनके द्वारा 6,39,057 बिल अपलोड किये गये हैं तथा जिनका कुल मूल्य रु0 269.50 करोड़ है।

बताया कि यह आंकड़े दर्शाते हैं कि योजना को लेकर जनता में असीम उत्साह के फलस्वरूप उनके द्वारा अधिकाधिक बिलों को अपलोड किया गया है । डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के विकास एवं कर संग्रह की वृद्धि में ''बिल लाओ ईनाम पाओ'' योजना सार्थक सिद्ध हुई है उन्होंने राज्य की समस्त जनता से खरीद पर बिल प्राप्त करते हुए राज्य के विकास तथा खुशहाली में योगदान देने की अपील की।डॉ अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य द्वारा रु0 8297 करोड़ जीएसटी का अर्जन किया गया, जो कि गत वित्तीय वर्ष के सापेक्ष लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। पुरस्कार वितरण समारोह में आरजे काव्या ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर आयुक्त राज्य कर अहमद इकबाल, अपर आयुक्त राज्य कर बीएस नगन्याल, अनिल सिंह, अमित गुप्ता, पीएस डुंगरियाल, संयुक्त आयुक्त राज्य कर संजीव सोलंकी, एस एस तिरुवा, उपायुक्त राज्य कर जगदीश सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।